राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 2 अंक 1 **जनवरी-जून 2000**

1. **आशा एवं आपदाओं का क्षेत्र मलिन बस्तियाँ** - प्रोफेसर ए.एल. श्रीवास्तव, समाजशास्त्र एवं समाज सेवा विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.) एवं डॉ. रंजन कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, यू.पी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)

2. **सर्वोदय क्रान्ति की तकनीक के परिप्रेक्ष्य में गांधी का सत्याग्रह** - डॉ. सोहन राम यादव, रीडर समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.) तथा डॉ. रवि सिंह, सचिव राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान, वाराणसी (उ.प्र.)

3. **मानवेन्द्र नाथ रॉय का नव्य मानवतावाद** - डॉ. विभा मुकेश, अध्यक्षा दर्शनशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड) एवं डॉ. मुकेश चन्द्र डिमरी दर्शनशास्त्र विभाग, हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)

4. **समाजशास्त्र के भारतीय चिन्तन में टैलकट पारसन्स : एक मूल्यांकन** - डॉ. विशेष गुप्ता, रीडर समाजशास्त्र, महाराजा हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरादाबाद (उ.प्र.)

5. **भारत में जनसंख्या वृद्धि के समाजशास्त्रीय आयाम** - प्रोफेसर अरूण कुमार शर्मा, मानविकी एवं समाजविज्ञान विभाग, आई.आई.टी. कानपुर (उ.प्र.)

6. **भारतीय और यूरोपीय राजनीतिक पार्टियों के सामाजिक-आर्थिक कार्यक्रम और उनकी भूमिका** - डॉ. एम.एल. वर्मा, रीडर समाजशास्त्र विभाग, बी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर तथा डॉ. प्रतिमा वर्मा, प्रवक्ता एम.जी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)

7. **वैदिक एवं हड़प्पा का सभ्यता का तुलनात्मक विश्लेषण** - डॉ. राकेश कुमार, अध्यक्ष इतिहास विभाग, गुलाब सिंह हिन्दू महाविद्यालय, चान्दपुर स्याऊ, बिजनौर (उ.प्र.)

8. **राजनीति में महिला आरक्षण का औचित्य** - डॉ. करन सिंह चौहान, वरिष्ठ प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, जी.एस.एच. महाविद्यालय, चान्दपुर, बिजनौर एवं श्रीमती सीमा रानी, शोध अध्येत्री, जी.एस.एच. महाविद्यालय, चान्दपुर, बिजनौर (उ.प्र.)

9. **साहित्य में नारी की सामाजिक स्थिति (महादेवी वर्मा के सन्दर्भ में)** - डॉ. मृदुला जुगरान, रीडर हिन्दी तथा आधुनिक भाषा विभाग, हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)

10. **युवा नेतृत्व की राजनीतिक सम्बद्धता** - डॉ. हरि प्रकाश श्रीवास्तव, रीडर समाजशास्त्र विभाग, एल.बी. एस. पी.जी. कालेज, गोण्डा (उ.प्र.)

11. **मध्यवर्गीय परिवारों के किशोर बच्चों पर दूरदर्शन का प्रभाव** - डॉ. एम.एल. वर्मा, रीडर समाजशास्त्र विभाग, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर एवं प्रोतिमा पुरी, प्रवक्ता समाजशास्त्र, शशि भूषण बालिका महाविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)

12. **ग्रामीण महिलाओं द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में भागीदारी** - श्रीमती सुभद्रा यादव, शोध अध्येत्री, जी.एस.एच. कालेज, चान्दपुर, बिजनौर, डॉ. श्रीमती शीला नागर, समाजशास्त्र विभाग, सी.सी.एस. कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा) एवं डॉ. आर. के. पूनिया, समाजशास्त्र विभाग, सी.सी.एस. कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

13. **पत्रकारिता के विकास में जनपद बिजनौर का बहुआयामी योगदान** - श्री अनिल कुमार वर्मा, अस्थायी प्रवक्ता समाजशास्त्र एवं शोध अध्येता जी.एस.एच. कालेज, चान्दपुर स्याऊ, बिजनौर (उ.प्र.)